पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः श्रावण 04, 1944
मंगलवारः 26 जुलाई 2022

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 28,732 करोड़ रुपये के अस्त्र-शस्त्र क्रय करने के प्रस्तावों को स्वीकृति दी;

इनमें स्वार्म ड्रोन्स, बुलेटप्रूफ जैकेट और कार्बाइन शामिल

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 26 जुलाई 2022 को रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा सशस्त्र सेनाओं के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए क्रय करें (भारतीय आईडीडीएम) और क्रय करें (भारतीय) श्रेणियों के अंतर्गत रक्षा में "आत्मनिरभर्ता" को और बढ़ावा देते हुए 28,732 करोड़ रुपये की आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई।

रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में अनुमोदित प्रस्तावों में भारतीय सेना के तीन प्रस्ताव शामिल हैं जिसमें गाइडेड इक्सटेंडेड रेंज रॉकेट एम्युनिशन, एरिया डिनायल म्युनिशन टाइप I और इन्फैंट्री लड़ाकू वाहन- कमांड को डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। इन तीनों प्रस्तावों की कुल लागत 8,599 करोड़ रुपये है। गाइडेड इक्सटेंडेड रेंज रॉकेट एम्युनिशन की रेंज 40 मीटर की सटीकता के साथ 75 किलोमीटर की है। एरिया डिनायल म्युनिशन टाइप I रॉकेट एम्युनिशन में दोहरे उद्देश्य वाले छोटे-हथियार शामिल हैं जो टैंकों और आर्मर्ड कर्मियों के वाहक दोनों के साथ-साथ बी वाहनों को बेअसर करने में सक्षम हैं। इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल - कमांड कार्यों के निष्पादन के लिए त्वरित निर्णय लेने की सुविधा के लिए कमांडरों को समयबद्ध सूचना प्रदान करने, प्रसारित करने, साझा करने और प्रस्तुत करने की प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है।

.

रक्षा अधिग्रहण परिषद ने नियंत्रण रेखा पर तैनात हमारे सैनिकों को शत्रु के स्नाइपर से सुरक्षा प्रदान करने और आतंकवाद-रोधी परिदृश्य में निकट के युद्धक अभियानों में भारतीय मानक बीआईएस VI स्तर की सुरक्षा के साथ बुलेट प्रूफ जैकेटों की आवश्यकता की स्वीकृति प्रदान की। रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा सीमाओं पर पारंपरिक एवं हाइब्रिड युद्धों तथा आतंकवाद से निपटने के वर्तमान जटिल प्रतिमान का मुकाबला करने हेतु सेवाओं के लिए लगभग चार लाख क्लोज क्वार्टर बैटल कार्बाइन को शामिल करने के लिए आवश्यकता की स्वीकृति भी प्रदान की गई। इससे भारत में छोटे अस्त्र-शस्त्रों के विनिर्माण उद्योग को एक बड़ी गति प्रदान होगी और छोटे हथियारों में 'आत्मनिरभर्ता' को बढ़ावा मिलेगा।

दुनिया भर में हाल के संघर्षों में ड्रोन प्रौद्योगिकी सैन्य अभियानों में एक बल गुणक साबित हुई। तदनुसार, रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा आधुनिक युद्धों में भारतीय सेना की क्षमता को बढ़ाने के लिए स्वायत्त निगरानी और आर्मड ड्रोन स्वार्मस की खरीद के लिए क्रय करें (भारतीय-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत आवश्यकता की स्वीकृति प्रदान की गई।

रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय उद्योग के माध्यम से कोलकाता श्रेणी के पोतों पर ऊर्जा उत्पादन अनुप्रयोग के लिए एक उन्नत 1,250 किलोवाट क्षमता वाले समुद्री गैस टरबाइन जनरेटर की खरीद के नौसेना के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इससे गैस टरबाइन जेनरेटर के स्वदेशी विनिर्माण को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

हमारे देश के तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 60 प्रतिशत भारतीय सामग्री से निर्मित क्रय करें (भारतीय-आईडीडीएम) के अंतर्गत भारतीय तटरक्षक बल के लिए 14 फास्ट पेट्रोल वेसल्स (एफपीवी) के क्रय के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की।

एबीबी/डीके/डीएस